# VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
MN 30 AUG 2022 No. 3
RECEIVED

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1837)

| Name of Candidate | SUSHMA SAGAR | | |
|---|---|---|---|
| Medium Hindi/Eng. | HINDI | Registration Number | 1370539 |
| Center | ND | Date | 30/8/22 |

### INDEX TABLE

| Q. No. | Maximum Marks | Marks Obtained |
|---|---|---|
| 1(a) | 10 | |
| 1(b) | 10 | |
| 2(a) | 10 | |
| 2(b) | 10 | |
| 3(a) | 10 | |
| 3(b) | 10 | |
| 4(a) | 10 | |
| 4(b) | 10 | |
| 5(a) | 10 | |
| 5(b) | 10 | |
| 6(a) | 10 | |
| 6(b) | 10 | |
| 6(c) | 10 | |
| 7 | 20 | |
| 8 | 20 | |
| 9 | 20 | |
| 10 | 20 | |
| 11 | 20 | |
| 12 | 20 | |

**Total Marks Obtained:**

**Remarks:**

**Signature of Examiner**

## INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

# EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

## SECTION – A

1. **(a)** Explain why altruism constitutes one of the core values in public life. In this regard, suggest some measures to foster altruistic behaviour in public services. **(150 words) 10**

स्पष्ट कीजिए कि परोपकारिता सार्वजनिक जीवन में प्रमुख मूल्यों में से एक क्यों है। इस संबंध में लोक सेवाओं में परोपकारी व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

परोपकार का अर्थ है बिना किसी स्वार्थ के सहानुभूतिपूर्वक कमजोर प्राणियों की मदद करना।

**परोपकार प्रमुख मूल्य के रूप में** –

- इससे कमजोर वर्गों का उत्थान होता है। eg- विधवा व वृद्ध आश्रम स्थलों को खोलना।
- मानवता व मानवीय संवेदीकरण को बढ़ावा मिलता है।
- परोपकार से ही दया, करुणा, संवेदनशीलता जैसे गुण विकसित हो पाते हैं। उदा.. गाँधी जी का जीवन
- संसाधनों का उचित बटवारा
  - बिल गेट्स फाउंडेशन द्वारा अनुदान दिया जाना
- यह मानवता संबंधित यूनिवर्सल लॉ है जिसकी प्रासंगिकता प्रत्येक क्षेत्र व प्रत्येक समय में रही है
  - eg – मुनियों को दान किया जाना
  - PM राहत कोष में अनुदान देना

## लोक सेवाओं में परोपकारी व्यवहार को बढ़ावा देने के उपाय

- प्रशिक्षण के दौरान महान परोपकारी लोगों के उदाहरणों को व्यापक स्तर पर शामिल करना।
  - eg- मदर टेरेसा का जीवन
  - N.S. राजप्पन विकलांग वृद्ध जो केरल में वेम्बनाद झील से प्रतिदिन कचरे को साफ करते हैं। आदि।
- अन्य लोक सेवक जो परोपकार को बढ़ावा देते हैं से वार्ता करवाना, जीवन को नजदीक से देखने के अवसर दिलवाना
  - eg- शिवदीप वमन लांडे जी द्वारा सामाजिक कार्यों के लिए अपनी 70% से अधिक वेतन का दान करना।
- परोपकारी गतिविधि पर प्रोत्साहन के तौर पर धनराशि या अन्य प्रकार का प्रोत्साहन दिया जा सकता है।
- प्रकृति के उदाहरण प्रस्तुत करना उन्हें धारणा से स्पष्ट करना कि उनका एक-एक कृत्य समाज पर व्यापक प्रभाव डालता है।

'परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः
परोपकाराय दुहन्ति गावः
परोपकाराय वहन्ति नद्यः,
परोपकारार्थं मिदम् शरीरम्'

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** Certain actions can be right even though they do not maximize good consequences, for the rightness of such actions consists in their representing certain norms. Discuss with examples. **(150 words) 10**

कुछ कार्य सही हो सकते हैं, भले ही वे अच्छे परिणामों को अधिकतम न करें, क्योंकि ऐसे कार्यों का औचित्य उनमें शामिल कुछ मानदंडों में निहित होते हैं। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

उपर्युक्त कथन कार्यों में निहित मानदण्डों व मूल्यों के समावेशन पर आधारित है। संभव है इससे प्राप्त लाभ व परिणाम अधिकतम न हो किंतु उनका पालन किया जाना आवश्यक होता है।

उदा० के लिए - लोकतंत्र में निर्णय सभी हितधारकों से पर्याप्त विचार-विमर्श के बाद लिए जाते हैं। कभी-कभी इस प्रक्रिया में विभिन्न दृष्टिकोण शामिल होने के कारण संघर्ष की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है। इस पूरी प्रक्रिया से

- निर्णय में देरी
- क्रियान्वयन में समस्याएँ
- विभिन्न विचारधाराओं में संघर्ष

उत्पन्न हो जाता है जिससे परिणामों को अधिकतम प्राप्त नहीं किया जा पाता किंतु इस प्रक्रिया को इस आधार पर नकारकर लोकतंत्र के स्थान पर तानाशाही को उचित नहीं ठहराया जा सकता है। क्योंकि उसमें समानता, स्वतंत्रता जैसे

मानदण्डों का अभाव होता है।

इसी प्रकार PSUs ऐसे क्षेत्रों में कार्य करती है जहाँ निजी क्षेत्र नहीं करता है इससे लाभ तो कम हो जाता है किंतु जनकल्याण की दृष्टि से यह उपयुक्त है।

इसी प्रकार प्रशासन में विकेंद्रीकरण से प्रक्रियाएँ धीमी हो जाती है किंतु नागरिक अधिकार व जनकल्याण की दृष्टि से वह उपयुक्त है।

इस प्रकार कुछ प्रक्रियाओं में शामिल मानदण्ड ही उन्हें सही बनाते हैं इसके लिए निम्न का ध्यान रखा जाना चाहिए

- संवैधानिक मूल्यों का पालन eg- लोकतंत्र
- नैतिकता के मूल्यों के अनुरूप eg- प्रशासन तंत्र
- जन-कल्याण की भावना eg- PSUs
- उपयोगितावाद

इस प्रकार अधिकतम लाभ के स्थान पर अधिकतम कल्याण का पालन किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) With the help of appropriate examples, discuss the ethical challenges involved in policing in India. Also, highlight the reasons behind corruption in the police force. (150 words) 10

उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से भारत में पुलिसिंग (पुलिस व्यवस्था) में शामिल नैतिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, पुलिस बल में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारणों पर प्रकाश डालिए।

देश मे लोक व्यवस्था व नागरिको की सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस का स्थान महत्वपूर्ण है।

पुलिसिंग मे शामिल नैतिक चुनौतियां

संवेदनशीलता व भ्रष्टाचार की समस्या

- उच्च वर्ग के पक्ष मे कार्य
- कमजोर वर्गों विशेषकर दलितो व महिलाओ के प्रति संवेदनशीलता का अभाव।
  इनसे संबंधित मामलो की अण्डर रिपोर्टिंग
- साप्ताहिक वसूली जैसी अवैध-क्रियाओं मे संलग्नता
- स्थानीय अपराधियों के साथ गठजोड़ की समस्या

कार्य की स्थितियां

- राजनीतिक दबाव
- संसाधनों की कमी
- कार्य के अधिक घंटे / छुट्टी का अभाव → मानसिक अवसाद

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ शारीरिक बीमारियाँ

पुलिसिंग में भ्रष्टाचार के कारण :-

- राजनीतिक दबाव
- प्रोत्साहन की नीति का अभाव
- नैतिक मूल्यों का पतन
- काम की गंभीर स्थितियाँ
- पदों का दुरूपयोग
- संवेदनशीलता का अभाव
- संस्थागत ढाँचा निर्मित हो जाना
- नागरिकों की भ्रष्टाचार व रिश्वतखोरी के प्रति स्वीकार्यता व 'चलता है' की भावनाएँ का चलन होना।
- इस भ्रष्टाचार की

समस्या को दूर करने के लिए पुलिसिंग व्यवस्था का आधुनिकीकरण किया जाना चाहिए। अच्छे कार्यों के अनुपात में प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। कार्य की स्थितियों में सुधार किया जाना। भ्रष्टाचार संबंधित कानूनों का क्रियान्वयन किया जाना, राजनीति में अपराधीकरण को रोकना आदि पर कार्य किए जाने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** A right combination of spirit and structure is integral to ethical corporate governance. Discuss. **(150 words) 10**

भावना और संरचना का सही संयोजन नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अभिन्न अंग होता है। चर्चा कीजिए।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस से तात्पर्य निगमों के समावेशी व नैतिक मूल्यों के आधार पर संचालन व प्रबंधन को सुनिश्चित किया जाना है।

नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस में भावना (spirit) का महत्व

- इससे कर्मचारियों मे भावना के अनुरूप कार्य संस्कृति का विकास होता है।
- सेवा की गुणवत्ता निर्धारित होती है।
- कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता का निर्धारण
- इसके अनुरूप शिकायतों का निवारण किया जाना
- सभी हितधारकों के हित इसके अनुरूप तय होते हैं।
- भावनात्मक बुद्धिमता (EQ) का विकास
- प्रबंधन की दिशा तय होना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस में संरचना का महत्व

- इससे कार्यों के मध्य एकरूपता आना
- निर्णय निर्माण की प्रक्रिया में तीव्रता
- कार्यों का अतिव्यापन (overlapping) न होना
- बेहतर शिकायत निवारण तंत्र
- सभी हितधारकों के अधिकारों का संरक्षण
- सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि
- बेहतर प्रबंधन व संचालन
- बेहतर मानव संसाधनों का प्रबंधन
- संसाधनों का अनुकूलतम दोहन

इस प्रकार नैतिक कार्पोरेट गवर्नेंस में भावना व संरचना के सही संयोजन से निगम उत्तरदायित्व, बेहतर जन कल्याण, अधिकतम लाभ, संसाधनों का अनुकूलतम दोहन सुनिश्चित किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) It is not only public servants, but also the common citizens who play a key role in institutionalising high standards of ethical conduct and good governance. Elaborate. **(150 words) 10**

न केवल लोक सेवक, बल्कि आम नागरिक भी नैतिक आचरण और सुशासन के उच्च मानकों को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

लोक सेवकों व आम नागरिकों के नैतिक आचरण से ही प्रशासन अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने मे सक्षम हो सकता है।

लोक सेवकों के नैतिक आचरण का महत्व

- बेहतर सेवाओं की उपलब्धता
- जनकल्याण eg- अब्दुल कलाम जी
→ क्रियान्वयन से सभी को लाभ
→ भ्रष्टाचार मे कमी eg ई गवर्नेंस
→ संसाधनों का अनुकूलतम दोहन
  • फण्डो का सही यूटीलाइजेशन
→ कमजोर वर्गों का उत्थान
  eg- दलित, महिला, बच्चे, दिव्यांग, मजदूर, LGBTQ समुदाय आदि

आम नागरिको के नैतिक आचरण मे महत्व

→ रिश्वत देने की प्रथा कमजोर होने से भ्रष्टाचार कम किया

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जा सकता है।

→ प्रशासन की क्रियान्वयन की प्रक्रिया में जनता का सहयोग प्राप्त होता है → बेहतर परिणाम

→ प्रशासन की जवाबदेहिता को सुनिश्चित किया जा सकता है।

→ प्रशासन में पारदर्शिता को बढ़ावा मिलता है।

⇒ प्रशासन समाज का ही अंग होता है समाज में नैतिक नियमों का पालन प्रत्यक्ष रूप से प्रशासन की कार्यप्रणाली को प्रभावित करता है।

इस प्रकार देश के कल्याण के लिए आम नागरिकों का भी नैतिक आचरण सुशासन को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे प्रशासन में जवाबदेहिता, पारदर्शिता, अनुक्रियाशीलता, लोचशीलता आदि मूल्यों का विकास हो पाता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**3.** **(b)** Public administration in India suffers from the 'working-in-silos' culture. In this context, discuss the importance of cooperation, coordination and collaboration for efficient governance. **(150 words) 10**

भारत में लोक प्रशासन 'एकाकी कार्य' संस्कृति ('वर्किंग-इन-साइलो' कल्चर) से ग्रस्त है। इस संदर्भ में, कुशल गवर्नेंस के लिए सहयोग, समन्वय और सहभगिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

लोक प्रशासन में 'एकाकी कार्य' संस्कृति के संदर्भ में अलग प्रणाली के रूप में कार्य करना, पुरानी रीतियों के आधार निर्णय निर्माण करना, केंद्रीकरण होना, अंतर्राष्ट्रीय स्तर व देश के जमीनी स्तर से कम जुड़ाव होना आदि को शामिल किया जाता है

**कुशल गवर्नेंस में सहयोग का महत्व**

- इससे शासन में दक्षता बढ़ती है।
- अच्छे अनुभवों को प्राप्त किया जा सकता है।
  - ↳ पानी प्रबंधन में इजराइल का अनुभव शामिल करना।
- नागरिकों का विश्वास बढ़ता है
  - ↳ सोशल ऑडिटिंग (मनरेगा)
- कर्मचारियों में प्रतिस्पर्धा की भावना में कमी आती है।
- सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार
- सभी के हित शामिल किए जाना संभव

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कुशल गवर्नेंस में समन्वय (coordination) का महत्व —

- क्रियान्वयन बेहतर होना
- बेहतर परिणाम
- जोखिमों का बँटवारा होना
- सहयोग को बढ़ावा
- बेहतर कार्यसंस्कृति
- अंतर्क्षेत्रीय संबंधों में सुधार
- नागरिकों की प्रशासन में भागीदारिता बढ़ना।

कुशल गवर्नेंस में सहभागिता (Collaboration) का महत्व

- बेहतर निर्णय
- बेहतर अनुभव व उदाहरण प्राप्त होगा।
- संबंधों में सुधार
- संसाधनों का अनुकूलतम दोहन
- सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार
- नवीन तकनीक का प्रवेश
- बेहतर प्रबंधन व संचालन
- सहयोग व समन्वय को बढ़ावा

अतः सहभागिता, समन्वय, सहयोग को जमीनी स्तर के साथ अंतर्क्षेत्रीय स्तर पर बढ़ाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**4.** **(a)** While emotional intelligence is an essential tool for a public servant, it can also be misused to manipulate people to act against their own interests. Discuss with examples. **(150 words) 10**

हालांकि, भावनात्मक बुद्धिमत्ता लोक सेवक के लिए एक आवश्यक साधन होता है, लेकिन लोगों को अपने हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

भावनात्मक बुद्धिमता से तात्पर्य है अपनी व समूह की भावनाओं का प्रबंधन इस प्रकार से किया जाए ताकि साझे हित प्राप्त हो तथा लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

विभिन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए लोकसेवकों में EQ की भूमिका महत्वपूर्ण होती है — संवेदनशील मुद्दों में महिलाओं के प्रति, दलितों, कमजोर वर्गों के प्रति सेवा की गुणवत्ता के संदर्भ में। इससे बेहतर प्रशासन के साथ जनकल्याण को सुनिश्चित किया जा सकता है।

हालांकि इसका दुरूपयोग कर इसका प्रयोग लोगों के हितों के विरुद्ध भी किया जा सकता है — उदा.- के लिए कुछ लोकसेवकों द्वारा अपनी भावनाओं का समायोजन इस प्रकार

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

किया जाता है कि 'मेरे अकेले ठीक हो जाने से तो सिस्टम मे सुधार नही होगा' 'राजनीतिक दलों के दबाव के कारण ऐसा करना पड़ रहा है' इन भावनाओ के कारण प्रशासनिक अधिकारियों में कर्तव्यहीनता व दृढ़ता का अभाव उत्पन्न होता है जिसका दुरूपयोग नागरिकों पर पड़ता है।

इसी तरह शीघ्र काल में कार्य करवाने के लिए रिश्वत की मांग की जाती है या कानूनी प्रक्रिया में पड़ने से बचने के लिए भी। इससे नागरिकों को लगता है कि प्रक्रियाएँ सरल हो गई साथ ही जल्दी भी हो गई और इसके लिए कुछ पैसे देने पड़े तो इतना तो चलता है। यह भावनात्मक बुद्धिमता का दुरूपयोग दिखाती है। क्योंकि दीर्घकाल में ऐसी प्रवृत्ति से ही लालफीताशाही, भ्रष्टाचार, अनिर्णयन जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती है जो पूरे देश को कमजोर करती है।

अतः ज्ञान के साथ EQ का प्रयोग जन हित में किया जाना चाहिए इसके लिए आचार संहिता का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** Social influence is an ambivalent concept. It can be a source for good, bad and even for evil. Discuss with the help of relevant examples.

**(150 words) 10**

सामाजिक प्रभाव एक विरोधाभाषी अवधारणा है। यह अच्छे, बुरे और यहां तक कि अशुभ के लिए भी एक स्रोत हो सकता है। प्रासंगिक उदाहरणों की सहायता से विवेचना कीजिए।

सामाजिक प्रभाव से तात्पर्य है एक समूह द्वारा डाला गया ऐसा प्रभाव जिससे अभिवृत्ति परिवर्तन होता है।

सामाजिक प्रभाव की विरोधाभाषी अवधारणा

- सामान्यत: लोगो के अभिवृत्ति परिवर्तन हेतु अच्छे - मूल्यों को अपनाने हेतु इसका उपयोग किया जाता है उदा॰
  - ↳ कोरोना के निर्देशों के दौरान
  - स्वच्छ भारत अभियान में
  - जागरूकता अभियान में।
- किंतु इसका प्रभाव अशुभ को अपनाने के स्रोत के रूप में भी किया जा सकता है
  उदा॰ - फिल्म अभिनेताओं द्वारा तम्बाकू का प्रचार किए जाना

↳ जंक फूड का प्रचार करना
↳ सौंदर्य प्रसाधन कंपनियों का रंगभेद को बढ़ावा देना आदि।

इससे ये नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं
- → स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव
- → कमजोर वर्गों के प्रति घृणा का भाव
- → नागरिकों की पूर्ण सूचना तक पहुँच न हो पाना
- → अपनी लोकप्रियता का दुरुपयोग अपने आर्थिक लाभ हेतु करना

अतः सामाजिक प्रभाव के दौरान भी तर्कशीलता को बढ़ावा दिया जाना चाहिए (नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020) लोगों को जागरूक बनाया जाना चाहिए। भ्रामक प्रचारकों पर दण्ड आरोपित करना आदि। सामाजिक प्रभाव का उपयोग नैतिक मूल्यों व सामाजिक जवाबदेही के दृष्टिकोण से किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) Effective public service delivery demands a people-centric approach, which is built upon coordination and leverages technology. Discuss. (150 words) 10

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण एक जन-केंद्रित दृष्टिकोण की मांग करता है, जो समन्वय पर आधारित होता है और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है। चर्चा कीजिए।

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण से तात्पर्य है - सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा गुणवत्ता पूर्ण सेवाओं के वितरण संबंधी प्रक्रिया का बेहतर संचालन व प्रबंधन सुनिश्चित करना।

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण मे जन केंद्रित दृष्टिकोण की माग

- → नागरिको की पहुंच को बेहतर बनाया जा सकता है।
- → नागरिको की आवश्यकता के अनुरूप सेवा वितरण eg- दिव्यांगो के लिए भौतिक पहुँच के स्थान पर वर्चुअल पहुँच को बढ़ावा देना।
- → सेवाओं की गुणवत्ता मे सुधार
- → बेहतर शिकायत तंत्र

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण मे समन्वय का महत्व

- → दक्षता बढ़ती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ नागरिक केंद्रित सेवाएँ
→ कमजोर वर्गों का उत्थान
→ जवाबदेहिता बढ़ना
→ पारदर्शिता का समावेश
→ नागरिकों का प्रशासन में विश्वास बढ़ना।
→ बेहतर क्रियान्वयन
→ विकेंद्रीकरण (बॉटम टू टॉप अप्रोच)

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण में प्रौद्योगिकी का लाभ

→ भ्रष्टाचार कम होगा eg- ई-गवर्नेंस
→ पहुँच में बढ़ावा eg- दिव्यांग
→ कम खर्चीला eg- आने-जाने के खर्च में कमी
→ बेहतर पारदर्शिता - उचित निगरानी
→ बेहतर शिकायत निवारण तंत्र eg- RTI, नागरिक चार्टर
→ जागरूकता का प्रसार

इस प्रकार अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ समन्वय प्रशासन को सुशासन बना सकता है।

5. **(b)** Highlight the important teachings of Kautilya that are relevant to public services in 21st century India. **(150 words) 10**

कौटिल्य की उन महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए, जो 21वीं सदी के भारत में लोक सेवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।

कौटिल्य का संबंध 6वीं सदी के मुख्यत: मौर्य शासन से है उनके द्वारा रचित 'अर्थशास्त्र' राजनीति पर आधारित पुस्तक है। चाणक्य की शिक्षा उनकी दूरदर्शिता के कारण आज के भारत की लोक-सेवाओं हेतु भी अत्यंत प्रासंगिक है।

चाणक्य चरित्र

परीक्षण के आधार पर अधिकारियों के प्रशासन में प्रवेश को बल देते थे जो आज भी पूर्णत: प्रासंगिक है जो UPSC की परीक्षाओं में एथिक्स का पेपर, साक्षात्कार मुख्यत: इसी दृष्टिकोण पर आधारित है।

अधिकारियों को भ्रष्टाचार से बचाने के लिए अधिकतम जवाबदेहिता व पारदर्शिता पर बल दिया जाता था। वहीं वर्तमान में RTI एक्ट, नागरिक चार्टर, ई गवर्नेंस आदि इसी क्षेत्र

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

पर आच्छादित है।

लोक सेवाओं में उत्पीड़न से नागरिकों में असंतोष उत्पन्न होता है अतः राज्य के स्थायित्व के लिए आवश्यक है लोक सेवक रिश्वत, पुलिस, बल का प्रयोग आदि को समाप्त किया जाए विशेषकर कमजोर वर्गों के नागरिकों के संदर्भ में वर्तमान में भी राज्य इस नीति पर चल रहा है।

देश को आंतरिक ही नहीं बाह्य चुनौतियों से भी खतरा होता है अतः प्रशासन व्यवस्था को इसमें लड़ने के लिए संस्थागत ढांचे को खड़ा किया जाना चाहिए। अतः इस संबंध में भारत की गुप्तचरी संस्थाएँ, भारतीय विदेश सेवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस प्रकार चाणक्य की कई शिक्षाएँ वर्तमान में भी प्रासंगिक है जो बेहतर लोक सेवा को सुनिश्चित करती है। किंतु उस समय के राजतंत्र व वर्तमान में लोकतंत्र के कारण कुछ शिक्षाएँ अप्रासंगिक भी हुई है जैसे - राजा के निर्देश पर अधिकारियों को हटाया जाना आदि,

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**6.** What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

**(a)** "What counts in life is not the mere fact that we have lived. It is what difference we have made to the lives of others that will determine the significance of the life we lead." Nelson Mandela **(150 words) 10**

"जीवन में जो मायने रखता है वह केवल यह तथ्य नहीं है कि हमने अपना जीवन जिया है। दूसरों के जीवन में हमने जो बदलाव लाया है, वह हमारे जीवन के महत्व को निर्धारित करेगा।" - नेल्सन मंडेला

इसी संदर्भ में जीवन को निम्न पंक्तियों में भी परिभाषित किया गया है :-

'किसी का दर्द मिल सके तो ले उधार, जीना इसी का नाम है'

जीवन का अर्थ मात्र अपने शरीर व अपने वातावरण, अपने लाभ, अपनी हानि से सीमित नहीं है। जीवन का अर्थ व्यापक है।

अपने तक ही सीमित रहना जीवन गुजारना है न कि जीवन जीना। परोपकारिता, करुणा, संवेदनशीलता जैसे गुण जीवन को सरस व मानवीय सहृदयता प्रदान करते हैं।

उदा॰ के लिए - N.S. राजप्पन जो वृद्ध हैं साथ ही पैरों से विकलांग है किंतु अन्य लोगों के जीवन में सुधार

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

लाने के लिए प्रतिदिन नाव मे बैठकर केरल की वेम्बनाड झील से प्लास्टिक कचरा एकत्रित करते है।

इसी तरह मदर टेरेसा ने अपना सम्पूर्ण जीवन ही दूसरो के जीवन मे बदलाव लाने के लिए लगा दिया।

महात्मा गाँधी, राजा राम मोहन राय, विवेकानंद, अम्बेडकर जी आदि देश के ऐसे उदाहरण है जिन्होने दूसरो की सेवा करके, दूसरो के जीवन मे सकारात्मक परिवर्तन लाकर सार्थक शब्दो मे अपने जीवन को जिया।

इसी गुण की आवश्यकता वर्तमान मे लोक सेवको मे है तभी वे अपने व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर समाज मे बड़े परिवर्तन ला सकते है।

इससे समाज मे कमजोर वर्गों का उत्थान होगा व प्रस्तावना मे निहित सामाजिक- आर्थिक राजनीतिक न्याय को स्थापित किया जा सकेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) "I care only for the Spirit ; when that is right, everything will be righted by itself". Swami Vivekananda. (150 words) 10

"मुझे केवल मूल की परवाह है- जब वह सही होगा, तो सब कुछ स्वयं ही सही हो जाएगा।" - स्वामी विवेकानंद

इस कथन के द्वारा स्वामी विवेकानंद जी ने मूलभूत इकाई 'भावना (Spirit)' की महत्ता दर्शायी है।

मूल एक बीज के समान है यदि मूल अच्छा है तो स्वाभाविक है कि उससे बने वृक्ष के फल भी अच्छे होंगे व खराब मूल से बने वृक्ष के फल खराब होंगे।

क्रिया पहले मानसिक स्तर पर होती है बाद में व्यवहार में जन्म लेती है जब मानसिक स्तर पर भी बेहतर 'मूल' होगा तब बेहतर व्यवहार होगा।

उदा- के लिए - एक लोकसेवक जब रिश्वत के प्रति बुरी भावना नहीं रखेगा तो अवसर मिलने पर अधिक संभावना है कि वह रिश्वत ले लेगा और इससे प्रशासनतंत्र कमजोर होता जाएगा। वहीं रिश्वत के प्रति यदि

नकारात्मक दृष्टिकोण है तो 'दृढ़ता' के मूल्य पर चलते हुए वह रिश्वत नही लेगा और प्रशासन तंत्र सुचारु रूप से कार्य करता रहेगा।

इस मूल को अच्छा बनाने के लिए बचपन से ही समाजीकरण की प्रक्रिया के दौरान उचित नैतिक मूल्यों का समावेशन किया जाना चाहिए। इसमें परिवार, मित्र मंडली, स्कूल, कॉलेज, अध्यापक, मीडिया, रोल मॉडल आदि भूमिका निभा सकते है।

इसके साथ ही पारदर्शिता को बढावा देना (ई-गवर्नेंस) जन जागरूकता को बढावा देना (नागरिक चार्टर), अधिकारियों को संवेदीकरण किया जाना (प्रशिक्षण के दौरान अध्ययन से अधिक प्रयोगों पर बल) आदि को किया जाना चाहिए ताकि अच्छे मूल से अच्छे समाज को स्थापित किया जा सके।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(c)** "True peace is not merely the absence of tension; it is the presence of justice." Martin Luther King Jr **(150 words) 10**

"वास्तविक शांति केवल तनाव की अनुपस्थिति नहीं है; बल्कि यह न्याय की उपस्थिति भी है।" - मार्टिन लूथर किंग जूनियर

लोगों के विद्रोह के दबाने से समाज में शांति स्थापित नहीं होती बल्कि विद्रोह के कारण को समाप्त करने से वास्तविक शांति स्थापित होती है।

उदा॰ के लिए उत्तर पूर्वी क्षेत्र में शांति मात्र सैन्य कार्यवाही, AFSPA आदि से स्थापित नहीं हो सकती है इसके साथ ही वहाँ विकास को सुनिश्चित करना, कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना, बेरोजगारी की समस्या का निवारण करना भी आवश्यक है। इससे वास्तविक शांति स्थापित होगी व देश की एकता मजबूत बनेगी।

इसी तरह विभिन्न प्रकार के आंदोलन जैसे - नारी, दलित/पर्यावरण संबंधी आंदोलन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को दबाने से शांति स्थापित नहीं होगी। लैंगिक समानता, सामाजिक समानता, सतत संधारणीय विकास को सुनिश्चित करने से वास्तविक विकास व शान्ति स्थापित होगी।

न्याय की उपस्थिति से
- कमजोर वर्गों का सरकार में विश्वास बढ़ना।
- असमानताएँ कम होना।
- नागरिकों का सर्वांगीण विकास

सुनिश्चित होता है इससे शासन-प्रशासन की व्यवस्था में सुधार आता है फलस्वरूप देश में वास्तविक शांति स्थापित होती है। इसी संदर्भ में कहा गया है -

'दिल्ली डुलो मत, हृदय रक्त मुझे अपना पीने दो अचल रहे साम्राज्य शांति का, जियो और जीने दो'

अतः वास्तविक शांति न्याय स्थापित करने से आती है केवल तनाव समाप्त करने से अल्पकालिक शांति आती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**SECTION – B**

**In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):**

**निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्द):**

**7.** You have recently graduated from college and are now preparing for the civil services examination. While reading the newspaper, you come across a news report of a Non-Governmental Organisation (NGO), working for child rights, challenging a provision of the Juvenile Justice Act, 2015, in the Supreme Court of India. The said provision provides for the option of Children in Conflict with Law (CCL) to be tried as adults under certain circumstances. The NGO's plea is that children are not able to understand the gravity of crimes. It has also contended that the criminal acts committed by children are a reflection of failure of the society to take care of its children. In the context of this situation, as a young aspirant, answer the following questions:

**(a)** What are the possible factors that can drive a child towards committing heinous crimes?

**(b)** Is it ethical to punish children as adults rather than giving them a chance for reformation? **(20)**

आपने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और अब आप सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। समाचार पत्र पढ़ते समय, आप बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) की एक खबर के बारे में पढ़ते हैं, जिसमें भारत के उच्चतम न्यायालय में किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के एक उपबंध को चुनौती दी गई है। उक्त उपबंध कुछ परिस्थितियों में कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों (CCL) पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने के विकल्प का प्रावधान करता है। उस NGO की दलील है कि बच्चे अपराधों की गंभीरता को समझने में सक्षम नहीं होते हैं। NGO ने यह भी तर्क दिया है कि बच्चों द्वारा किए गए आपराधिक कृत्य अपने बच्चों की देखभाल करने में समाज की विफलता का प्रतिबिंब हैं। उपर्युक्त परिस्थिति के संदर्भ में तथा एक युवा अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

**(a)** वे कौन-से संभावित कारक हैं जो एक बच्चे को जघन्य अपराध करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं?

**(b)** क्या बच्चों को सुधार का एक मौका देने के बजाय उन्हें वयस्कों के रूप में दंडित करना नैतिक है?

उपर्युक्त प्रकरण, वर्तमान समय में बाल अधिकार व बाल अपराधों की बढ़ती संख्या के मुद्दे से संबंधित है।

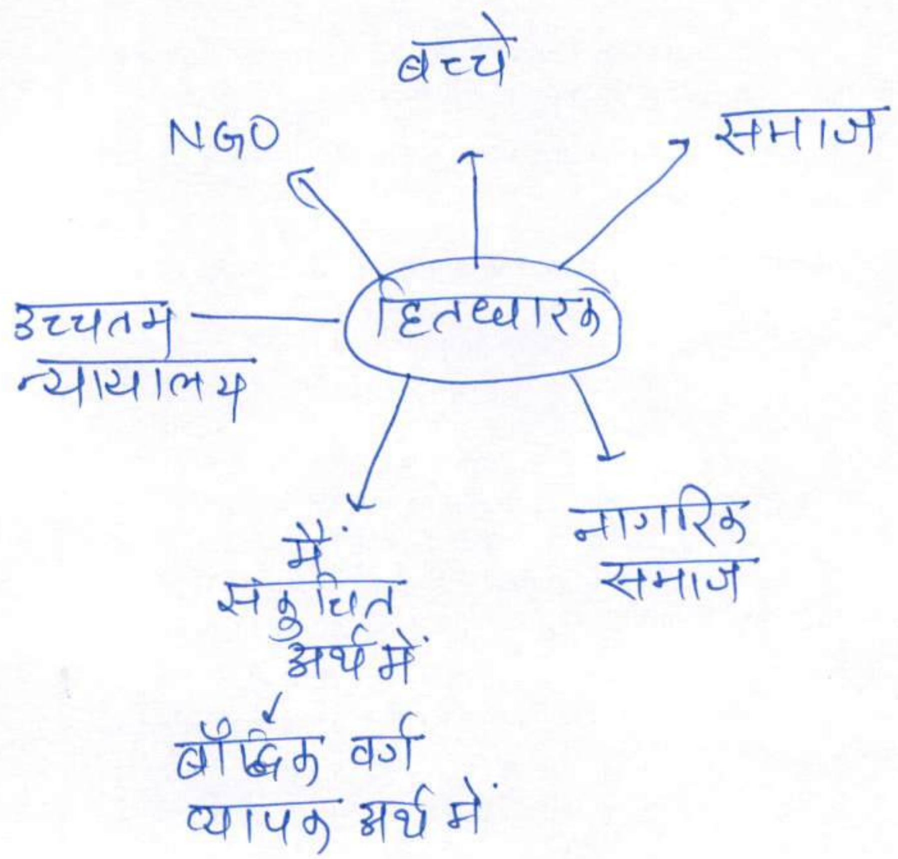


बच्चों के विकास का दायित्व न केवल माता-पिता अपितु समाज के साथ पूरी शासन - प्रशासन प्रक्रिया का भी होता है।

(a) 4 संभावित कारक जो बच्चे को जघन्य अपराध के लिए प्रेरित करते हैं -

एकल परिवार की बढ़ती संख्या

↳ बच्चों को भावनात्मक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

रूप से सुरक्षा नहीं मिल पाती
↓
कुण्ठा का शिकार हो जाते है।

↳ यदि माता-पिता कार्यकारी हो तो पूर्ण रूप से समाजीकरण की प्रक्रिया सफल नहीं हो पाती।

↳ देखभाल के लिए रखे गए व्यक्तियों की संवेदनहीनता के कारण बच्चों का शारीरिक विकास के साथ पूर्ण परिपक्व रूप से मानसिक व संज्ञानात्मक विकास नहीं हो पाता।

वर्तमान प्रौद्योगिकी

↳ वीडियो गेम्स व ऑनलाइन गेम्स की बढ़ती प्रवृत्ति

↳ फ्रीफायर, पब्जी जैसे लोकप्रिय खेलों में बन्दूकों से खेलना, हत्या करना आदि आम बात है।

↳ अत्याधिक ऑनलाइन रहने से मानसिक अवसाद बढ़ता है।

↳ आधिकतम फोलोअर्स व लाइक्स जैसी आवश्यकताएँ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वास्तविक जीवन से दूर व धैर्यहीन बनाती है।

असमानताएँ

↳ इससे वंचित वर्ग के बच्चों में कुण्ठा उत्पन्न हो जाती है।

↳ अपनी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अपराध में संलिप्तीकरण।

मादक पदार्थ

↳ बढ़ते सेवन से निम्न मानसिक स्वास्थ्य

↳ अवैध बाजार

↳ मादक पदार्थों का सेवन उच्च परिवारों में 'कूल' समझने की भ्रामक प्रवृत्ति का बढ़ना।

(b) बच्चों को वयस्क के रूप में दण्डित करने के पक्ष में तर्क

· वर्तमान की कई स्टडी बताती है कि इण्टरनेट के बढ़ते एक्सपोजर से बच्चों की समय से पूर्व ही मानसिक आयु में वृद्धि हो जाती है जिससे वे वयस्क के समान अपराध करने लगते

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उदा॰ 2012 का निर्भया काण्ड
- कई-कई अपराध की जघन्यता समाज में असंतोष का कारण बनती है अत: राज्य को जघन्यता के अनुपात में सजा देना बाध्य हो जाता है।
- बच्चों में अपराध के प्रति भय उत्पन्न होगा।

बच्चों को वयस्क के रूप में दण्डित करने के विपक्ष में तर्क
- यह राज्य के विधियों के समान संरक्षण के सिद्धांत के विरुद्ध है।
- बच्चों के अपराध करने में सामाजिक परिस्थितियाँ अधिक प्रभावी होती हैं
- ये अपराध समाजीकरण की विफलता का परिणाम होते हैं।
- यह बाल-अधिकारों की दृष्टि से गलत है।

अत: आवश्यकता है कि राज्य विधियों के समान संरक्षण के सिद्धांत के तहत बच्चों को विशेष श्रेणी प्रदान करे साथ ही ऐसे अपराधों को रोकने के लिए कानून के अलावा जन जागरूकता, बेहतर समाजीकरण, बेहतर विकास का वातावरण (अनु 45(6)) उपलब्ध कराए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**8.** You are a CEO-founder of an edTech company. You are under tremendous pressure from the investors in your company to increase the profitability of the company and undertake downsizing. After making a few bad acquisitions, the company's finances have taken a huge hit in the last couple of years. The downsizing is suggested with the hope that the company's profitability would rise, as it often does when mass

layoff or downsizing decisions are carried out. Moreover, the investors have hinted that such measures would attract further investment from them, which has come as a ray of hope considering the ongoing volatile market conditions and slowdown in big-ticket fundings. Given the situation, rumors of unscrupulous firing have started doing the rounds among employees. It has increased apprehensiveness and reduced cohesiveness among them. You have informed the investors that the cost cutting exercise can affect the output as well as reputation of the company in the long-run. However, they are adamant to pursue the same.

**(a)** Identify the stakeholders and ethical issues involved in the case.

**(b)** You and the HR team have identified some options and are deliberating to put them across to the investors for consideration. Discuss the merits and demerits of each of these:

**(i)** Identifying key high performers and offering them suitable positions before implementing the layoff decision.

**(ii)** Putting the terminated employees on retainer to work part-time.

**(iii)** Executing the lay off order in the same spirit as it was asked by the investors and letting them deal with the long-term consequences.

**(iv)** Improving the perception of fairness among the existing and terminated employees and moving ahead with the layoffs.

**(c)** Without restricting yourself to the above options, discuss the course of action you will take, and provide adequate reasons for the same.

**(20)**

आप एक एडटेक कंपनी के सह-संस्थापक और सी.ई.ओ. हैं। कंपनी की लाभप्रदता बढ़ाने और छंटनी (डाउनसाइजिंग) करने के लिए आपके ऊपर कंपनी के निवेशकों का जबरदस्त दबाव है। कुछ खराब अधिग्रहण करने के बाद, पिछले कुछ वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति में भारी गिरावट आई है। ऐसे में छंटनी का सुझाव कंपनी की लाभप्रदता में वृद्धि की उम्मीद के साथ दिया गया है, क्योंकि सामान्यतः बड़े पैमाने पर छंटनी के निर्णय से लाभप्रदता बढ़ती है। इसके अलावा, निवेशकों ने संकेत दिया है कि इस तरह के उपायों के परिणामस्वरूप वे कंपनी में और अधिक निवेश कर सकते हैं, जो बाजार में चल रही अस्थिर स्थितियों एवं अधिकाधिक फंडिंग में कमी को देखते हुए आशा की किरण के रूप में हैं। इस स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों के बीच बेवजह नौकरी से हटाये जाने की अफवाहों का दौर शुरू हो गया है। इन सब बातों ने उनके बीच आशंका को बढ़ाया है और एकजुटता को भी कम किया है। आपने निवेशकों को सूचित किया है कि लागत में कटौती के प्रयास से कंपनी के उत्पादन के साथ-साथ दीर्घावधि में प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि, वे इसी उपाय को अपनाने पर अड़े हुए हैं।

**(a)** इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

**(b)** आपने और HR टीम ने निम्नलिखित कुछ विकल्पों की पहचान की है तथा उन्हें विचार के लिए निवेशकों के सामने रखने की सोच रहे हैं। इनमें से प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए:

**(i)** छंटनी के फैसले को लागू करने से पहले उच्च प्रदर्शन करने वाले अग्रणी कर्मचारियों की पहचान करना और उन्हें उपयुक्त पदों की पेशकश करना।

**(ii)** हटाये जाने वाले कर्मचारियों को पार्ट-टाइम काम करने के लिए रिटेनर के तौर पर रखना।

**(iii)** छंटनी के आदेश को उसी भावना से निष्पादित करना जैसा कि निवेशकों द्वारा कहा गया था और उन्हें दीर्घकालिक परिणामों से निपटने की अनुमति देना।

**(iv)** मौजूदा और हटाये गए कर्मचारियों के बीच निष्पक्षता की धारणा में वृद्धि करना और छंटनी के उपाय के साथ आगे बढ़ना।

**(c)** स्वयं को उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित किए बिना, आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा कीजिए और उसके लिए पर्याप्त कारण बताएं।

(a)

हितधारक
- कंपनी के निवेशक
- कंपनी के सह-संस्थापक व CEO के रूप में मैं
- HR टीम
- समाज: वृहद स्तर पर
- कम्पनी के कर्मचारी

नैतिक मुद्दे —

→ कंपनी की अल्पकालिक लाभप्रदता vs. दीर्घकालिक लाभप्रदता

→ कंपनी के निर्णयों में निवेशक vs. कर्मचारियों की भूमिका

→ कंपनी का लाभ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ कंपनी से कर्मचारियों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव
→ अफवाहों से कंपनी में आई अनियमितताएँ व कर्मचारियों में एकजुटता की कमी
→ कंपनी की प्रतिष्ठा का मुद्दा
→ कंपनी के निर्णयों का वृहद स्तर पर समाज पर प्रभाव
→ कंपनी का समाज के प्रति व विभिन्न हितधारकों के प्रति उत्तरदायित्व

(b) (i) उच्च प्रदर्शन वाले कर्मचारियों की पहचान कर उन्हें उच्च पदों की पेशकश करना

| गुण | दोष |
| --- | --- |
| • अच्छे प्रदर्शन वाले कर्मचारियों की निरंतरता संभव<br>• कंपनी की दक्षता में वृद्धि<br>• लाभ में इजाफा | • कंपनी के अन्य कर्मचारियों के प्रति भी उत्तरदायित्वों का पालन सुनिश्चित न होना<br>• कार्पोरेट गवर्नेंस में सुशासन की मूल भावना के विरुद्ध<br>• निष्पक्षता के विरुद्ध |

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) हटाये जाने वाले कर्मचारियों को पार्ट टाइम के लिए रिटेनर के तौर पर रखना

| गुण | दोष |
| --- | --- |
| • भविष्य की कर्मचारियों की कमी को पूरा किया जा सकेगा। • सभी कर्मचारियों को पार्ट टाइम रोजगार उपलब्ध कराया जा सकेगा | • इन कर्मचारियों की वित्तीय स्थिति में गिरावट आ सकती है। • यहाँ कर्मचारियों को कंपनी की ओर से रोजगार की गारंटी नही दी गई है। • कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा जैसी सुविधाओं से वंचित होना पड़ेगा |

(iii) निवेशकों के अनुसार छंटनी करना

| गुण | दोष |
| --- | --- |
| • कंपनी की लाभप्रदता में वृद्धि • छंटनी से कंपनी पर वित्तीय बोझ में कमी | • कंपनी का उत्पादन घट जाएगा • दीर्घकाल में कंपनी की प्रतिष्ठा कम होगी |

• यह कंपनी द्वारा अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं होगा कि लाभ के लिए कर्मचारियों को बिना सामाजिक सुरक्षा के छटनी कर देना।

(v) मौजूदा व हटाए गए कर्मचारियों के बीच निष्पक्षता की धारणा में वृद्धि करना और छटनी के उपाय के साथ आगे बढ़ना।

| गुण | दोष |
|---|---|
| • निष्पक्षता को बढ़ावा<br>• छटनी से कंपनी का लाभ बढ़ेगा<br>• वित्तीय ब्रास में कमी आएगी | • अच्छे कर्मचारी छटनी की प्रक्रिया में कंपनी से बाहर जा सकते हैं।<br>• कंपनी की व्यावसायिक प्रतिष्ठा में कमी<br>• उत्पादन में कमी |

(c) उपर्युक्त स्थिति में निम्न कार्रवाई की जानी चाहिए —

• कंपनी की निम्न वित्तीय स्थिति के संबंध में स्टडी करना तथा कारणों को ज्ञात करना जिससे कंपनी को

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

लाभप्रदता कम हुई है जैसा कहा भी गया है - खराब अधिग्रहण करना।

- ऐसी परिस्थिति में प्राप्त कारणों को दूर करने के लिए कंपनी के प्रबंधन व गवर्नेंस में सुधार लाना। इससे लाभप्रदता बढ़ेगी।
- फिर भी उपयुक्त लाभ नहीं होता है सभी हितधारकों से वार्ता कर सर्वसम्मति के आधार पर निर्णय लेना इसमें कर्मचारियों के हित भी शामिल होने चाहिए।
- तब भी लाभ न हो और सभी उपाय विफल आ रहे हो तो कंपनी के लाभ के लिए अंतिम उपाय के रूप में छटनी का विकल्प अपनाना।
- निष्पक्षता के आधार पर कंपनी के कर्मचारियों का चयन करना तथा कर्मचारियों को अन्य रोजगार ढूंढने के लिए पर्याप्त समय देना।
- इस बीच की अवधि में छटनी पाने वाले कर्मचारियों की वित्तीय व सामाजिक सुरक्षा को लगातार जारी रखा जाए।

इससे कंपनी के लाभ में भी वृद्धि होगी व कंपनी कर्मचारियों के हित भी सुनिश्चित कर सकेगी।

**9.** There is an ongoing ethnic civil war in a neighbouring country. The conflict has caused massive displacement of people from the country. Ironically, the developed countries have closed off their borders to the refugees on account of the COVID-19 pandemic, resource competition, domestic politics etc. With countries sealing off their borders, the refugees are left in a vulnerable situation and many are taking illegal routes to enter your country. As a Senior Official of your country's Ministry of External Affairs, you have been involved in discussions with officials of other nations and are entrusted with the mandate to design a national policy to safely accommodate India bound refugees. In this context, answer the following questions:

**(a)** Discuss the moral issues related to the rights of international refugees, especially those from conflict-torn regions.

**(b)** What recommendations would you suggest given the large influx of refugees in India. **(20)**

एक पड़ोसी देश में नृजातीय गृह-युद्ध जारी है। यह संघर्ष उक्त देश से लोगों के बड़े पैमाने पर विस्थापन का कारण बन गया है। विडंबना यह है कि विकसित देशों ने कोविड-19 महामारी, संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा, घरेलू राजनीति आदि के कारण शरणार्थियों हेतु अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है। देशों द्वारा अपनी सीमाओं को बंद करने के कारण शरणार्थियों की स्थिति असुरक्षित हो गई है और वे आपके देश में प्रवेश करने के लिए कई अवैध मार्ग अपना रहे हैं। अपने देश के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में, आप दूसरे देशों के अधिकारियों के साथ चर्चा में शामिल रहे हैं और आपको भारत में रहने वाले शरणार्थियों को सुरक्षित रूप से समायोजित करने के लिए एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

**(a)** अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थियों, विशेष रूप से संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से आने वाले शरणार्थियों, के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

**(b)** भारत में शरणार्थियों की बड़ी संख्या के आगमन को देखते हुए आप क्या सुझाव देंगे।

हाल ही में म्यांमार मे सैन्य शासन, श्रीलंका मे आर्थिक संकट जैसे विभिन्न कारणों से भारत मे शरणार्थी समस्या के स्तर पर उभरी है।

**हितधारक**
- ↑ शरणार्थी
- → भारत के नागरिक vs. शरणार्थी संसाधनों का बंटवारा
- — अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ
- ↙ विश्व के अन्य देश
- ↓ देशों की आंतरिक स्थितियाँ जैसे गृहयुद्ध के कारण उस देश के नागरिक

(a) शरणार्थियों के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दे

- मानवाधिकार vs. राष्ट्रहित
  - ↳ शरणार्थियों को संघर्ष के दौरान शरण मिलना, मानवीय दृष्टि से प्राकृतिक अधिकार है।
  - ↳ देश के संसाधनों पर बोझ बढ़ता है।
  - ↳ आंतरिक व बाह्य के आधार पर लोगों में संघर्ष बढ़ता है eg- असम में नृजातीय हिंसा
- कमजोर लोगों के प्रति संवेदनशीलता vs

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

राष्ट्र सुरक्षा

- महामारी फैलने का भय
- राष्ट्र सुरक्षा की चुनौतियाँ
  eg- कई गुप्त एजेंसियों ने रोहिंग्या संबंधी मामलों में आतंकवादी घटनाओं के संदर्भ में चिंता प्रकट की थी।

अंतर्राष्ट्रीय कानून

- संघर्षरत देश में वापिस भेज देना अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के विरूद्ध भी है।

पुनर्स्थापना व पुनर्बहालीकरण

- इससे प्रशासनिक व्यवस्था पर अतिरिक्त दायित्व बढ जाता है।
- मूल देश द्वारा पुनर्बहाली की प्रक्रिया में सहयोग न देना।

(b) भारत में शरणार्थियों की बड़ी संख्या को देखते हुए एक राष्ट्रीय नीति के निर्माण हेतु सुझाव —

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- एक फ्रेमवर्क व ढाँचा निर्मित किया जाए जिसके आधार पर शरणार्थियों के संबंध में निर्णय प्रक्रिया में तीव्रता आए साथ ही अधिकारियों की विवेकाधीन शक्तियों को सीमित किया जा सके। इससे हर घटना के लिए नए कदम या आरंभ से पुनर्विचार को नहीं अपनाना पड़ेगा।
- इस ढाँचे के निर्माण में नागरिकों, नागरिक समाजों, शरणार्थियों से वार्ता करके उनके हितों को समाहित किया जाए।
- अंतर्राष्ट्रीय कानून व अन्य अनुभवों को राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुसार शामिल किया जाना।
- राष्ट्र हित, राष्ट्रसुरक्षा को चुनौती पहुँचाने वाली समस्याओं के संदर्भ में शरणार्थियों से संबंधित कठोर नीति का पालन करना। हालांकि इसके लिए गुप्तचर संस्थाओं को और अधिक आधुनिक व मजबूत बनाया जाए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- पड़ोसी देशों के साथ वार्ता, सहयोग आदि से संबंधित बिन्दुओं को शामिल करना।
- शरणार्थियों को दर्जा देने संबंधी निर्णयों की <u>समयबद्धता</u> सुनिश्चित की जाए।
- पुनर्बहाली व रिहैबीलिटेशन से संबंधित मजबूत ढांचा तैयार किया जाए जिससे अनियमितताएं कम हो सके।
- महिलाओं व बच्चों के लिए संवेदनशील ढंग से उनकी शारीरिक व मानसिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।
- शरणार्थियों के संबंध में प्रवेश से पूर्व महामारी आदि की जाँच करना तथा पॉजिटिव पाए जाने पर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराना।
- अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे UN में शरणार्थियों से संबंधित मुद्दों पर सहयोग को बढ़ावा देना।

**10.** Social interactions where a person is addressed by their correct name and pronouns, consistent with their gender identity, are widely recognized as a basic and yet critical aspect of gender affirmation. A national university invited speakers for a discussion on rights of sexual minorities in India. The panel included speakers representing a wide variety of opinions and perspectives on the issue. The debates, though largely peaceful, witnessed a controversy. A college association representing sexual minorities took offence against a panellist who cautioned against self-identification by sexual minorities and the liberal use of pronouns. The association reached out to the media and the localised controversy soon turned into a national issue across news networks and social media. The association demanded that the panellist apologise for his views and issue a public statement in this context. The panellist, on the other hand, seemed unmoved by the issue. In the meantime, the University has come under huge pressure to resolve the issue. The Vice Chancellor set up a Committee to look into the matter and its peaceful resolution. You have been appointed as the Chairperson of the Committee. In this regard, answer the following questions:

**(a)** Discuss the various moral issues involved in the case.

**(b)** Keeping the right to freedom of speech and expression in mind, highlight the steps you would take to resolve the issue and list arguments in support. **(20)**

सामाजिक संपर्क, जहां व्यक्ति को उनके सही नाम एवं सर्वनाम द्वारा और उनकी लैंगिक पहचान के अनुरूप संबोधित किया जाता है, को व्यापक रूप से लैंगिक पुष्टि के एक बुनियादी और महत्वपूर्ण पहलू के रूप में पहचाना जाता है। राष्ट्रीय स्तर के एक विश्वविद्यालय ने भारत में लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चर्चा के लिए वक्ताओं को आमंत्रित किया है। उस पैनल में इस मुद्दे पर विभिन्न प्रकार की राय और दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्ता शामिल थे। हालांकि, वहां की गई चर्चा काफी हद तक शांतिपूर्ण थी, लेकिन इसमें एक विवाद भी उत्पन्न हुआ। लैंगिक अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कॉलेज एसोसिएशन ने लैंगिक अल्पसंख्यकों द्वारा आत्म-पहचान और सर्वनामों के उदार उपयोग के खिलाफ चेतावनी देने वाले एक पैनलिस्ट के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शित किया। उस एसोसिएशन ने मीडिया के माध्यम से अपना मत व्यक्त किया और स्थानीय विवाद जल्द ही समाचार नेटवर्क और सोशल मीडिया पर एक राष्ट्रीय मुद्दे में बदल गया। उस एसोसिएशन ने मांग की कि वह पैनलिस्ट अपने विचारों के लिए माफी मांगे और इस संदर्भ में एक सार्वजनिक बयान जारी करे। दूसरी ओर, वह पैनलिस्ट इस मुद्दे से अप्रभावित था। साथ ही, विश्वविद्यालय पर मामले को सुलझाने का भारी दबाव है। कुलपति द्वारा मामले की जांच करने और इसके शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक समिति का गठन किया गया है। आपको समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

**(a)** इस प्रकरण में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

**(b)** वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे को हल करने के लिए आप जो कदम उठाएंगे उसे रेखांकित कीजिए और समर्थन में तर्क दीजिए।

उपर्युक्त केस स्टडी लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकार व वाक् व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (अनु 19(1)(a)) से संबंधित है।

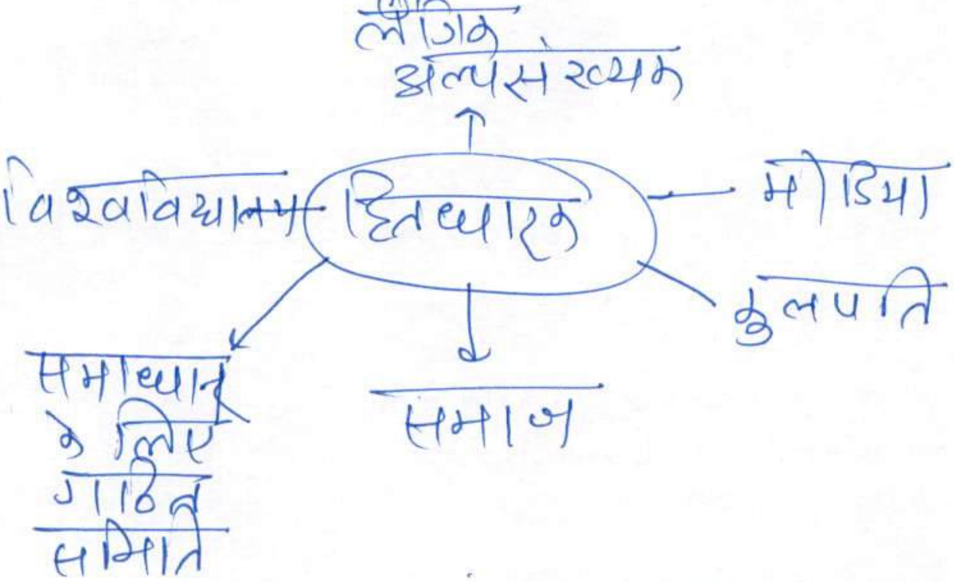


(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे

→ वाक् व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

→ लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकार

→ पारम्परिक रूढ़ियाँ vs. नवीन विमर्श

→ समाज के कमजोर व अल्पसंख्यक वर्गों के प्रति संवेदनशीलता

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ लोकतंत्र में सभी अभिव्यक्तियों के प्रति सहिष्णुता की भावना

→ नवीन मूल्यों के प्रति समाज की प्रतिक्रिया

→ मीडिया की भूमिका - समाज जनता को जागरूक बनाने के संदर्भ में। इसके कारण ही विश्वविद्यालय के मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाया जा सका।

→ विभिन्न प्रकार के बयानों से समाज पर पड़ने वाला प्रभाव

(b). इस मुद्दे को हल करने के लिए निम्न कदम उठाए जाने चाहिए -

→ समिति के अध्यक्ष के रूप में मामले की शांतिपूर्ण व निष्पक्ष जाँच करना।

→ यदि जाँच में पैनलिस्ट द्वारा वाक् व अभिव्यक्ति के युक्तियुक्त प्रतिबंधों के संबंध में वाक् स्वतंत्रता दुरुपयोग किया गया है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(राष्ट्र की एकता, अखण्डता, लोक सुरक्षा, न्यायालय की अवमानना, अंतर्राष्ट्रीय संबंध आदि के आधार पर) तो उनके खिलाफ उचित प्रक्रियाओं के अनुसार कार्यवाही करना है इसके साथ ही लैंगिक अल्पसंख्यकों के संदर्भ में अधिकारों की सुरक्षा से संबंधित सार्वजनिक बयान जारी कर मुद्दे को शांत करना।

- यदि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हुई हो या प्रतिबंधों के अनुरूप न हो तो पैनालिस्ट की वाक् व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करना। सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करना कि उनके द्वारा किसी भी कानून या संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं किया है, जांच के दौरान प्राप्त सबूतों को पेश करना। तथा लैंगिक अल्पसंख्यकों के प्रति व उनके मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता को प्रकट ~~करते दिखाते~~ हुए उनके अधिकारों

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

के प्रति समाज को जागरूक करना।

- जब तक कानून व संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन न हो तब तक वाक् व अभिव्यक्ति की सुरक्षा की जानी चाहिए क्योंकि लोकतंत्र में विभिन्न दृष्टिकोणों की आपसी वार्ता से ही बेहतर निर्णय लिए जा सकते है।
- लैंगिक अल्पसंख्यक वर्गों से संबंधित उच्चतम न्यायालय के निर्देशों व राज्यों द्वारा संचालित योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित किए जाए।
- समाज को व्यक्ति के नाम व व्यापक रूप से लैंगिक दृष्टि के मुद्दे के प्रति संवेदनशील बनाए जाने की आवश्यकता है जिसके लिए होर्डिंग, बोर्डिंग, नागरिक समाज, नुक्कड़ नाटक, पाठ्यक्रम में शामिल करने का सुझाव देना आदि द्वारा (persuasion) संबंधी गतिविधियों का पालन किया जाना चाहिए।
- लैंगिक अल्पसंख्यकों के संदर्भ में राष्ट्रीय, व्यापक व समावेशी कानून बनाने के लिए राज्य को सिफारिश करना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**11.** You are a young athlete representing India at an international-level competition. To your surprise, during the competition, you witness a few senior athletes injecting something using a syringe in private. When you approach them, they explain that it is a performance enhancing drug, which is very common in such competitions and you should take the same as well. You are aware that if these players get caught in a doping test, it may damage India's reputation. You are confused and afraid of the repercussions and decide to approach the coach to discuss the event you witnessed. However, you get to know that the athletes are taking the drug on the advice of the coach himself.

**(a)** What would you do in this scenario? Discuss the options available to you and chart your course of action.

**(b)** What are the reasons behind the use of performance enhancing drugs in competitive sporting events? How can this practice be minimized?

**(20)**

आप अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एक युवा एथलीट हैं। आश्चर्यजनक रूप से, आप प्रतियोगिता के दौरान कुछ वरिष्ठ एथलीटों को गुप्त रूप से सिरिंज का उपयोग करके कुछ इंजेक्शन को लगाते हुए देखते हैं। जब आप उनसे संपर्क करते हैं, तो वे समझाते हैं कि यह प्रदर्शन बढ़ाने वाली एक दवा है, जो ऐसी प्रतियोगिताओं में बहुत आम है और आपको भी इसे लेना चाहिए। आप जानते हैं कि यदि ये खिलाड़ी डोपिंग टेस्ट में फंस जाते हैं तो इससे भारत की साख खराब हो सकती है। आप दुविधा में हैं और इसके परिणामों से डरते हैं। साथ ही, आप इस घटना पर चर्चा करने के लिए कोच से संपर्क करने का फैसला करते हैं। हालांकि, आपको पता चलता है कि एथलीट कोच की सलाह पर इस दवा को ले रहे हैं।

**(a)** इस परिदृश्य में आप क्या करेंगे? आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कीजिए और अपनी कार्रवाई की रूपरेखा तैयार कीजिए।

**(b)** प्रतिस्पर्धी खेल प्रतियोगिता के आयोजनों में प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के पीछे क्या कारण हैं? इस प्रथा को कैसे कम किया जा सकता है?

उपर्युक्त केस अध्ययन खेलों में नैतिकता से संबंधित है।

(a)

हितधारक
- खिलाड़ी
- समाज
- कोच
- देश की प्रतिष्ठा
- सीनियर खिलाड़ी
- मैं युवा एथलीट

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) उपलब्ध विकल्प –

(i) सिरिंज का उपयोग करते हुए इंजेक्शन लगा लेना

| गुण | दोष |
|---|---|
| • शारीरिक क्षमता में वृद्धि<br>• जीत की संभावना बढ़ जाएगी | • डोपिंग के मामले में देश की साख को नुकसान<br>• खेल की भावना के विरुद्ध |

(ii) इंजेक्शन न लेकर खेल की नैतिकता बनाए रखना

| गुण | दोष |
|---|---|
| • स्पोर्ट्स एथिक्स के अनुकूल<br>• भारत की साख को डूबने से बचाया जा सकेगा | • हार की संभावना बढ़ सकती है। |

उपयुक्त कार्यवाही →

• किसी भी स्थिति में तथा किसी के भी दबाव में डोपिंग जैसी अनैतिक प्रक्रिया में शामिल न होना

◎ कोच व अन्य सीनियर खिलाड़ियों की गतिविधियों के लिए आंतरिक शिकायत तंत्र का पालन किया जाए।

◎ इसके लिए व्हिसल ब्लोइंग भी की जा सकती है।

◎ खिलाड़ियों को डोपिंग के कारण पकड़े जाने पर देश के गौरव व नागरिकों की भावनाओं के ठेस पहुँचने संबंधी प्रतिक्रियाओं में धारणा (persuation) के माध्यम से डोपिंग को रोकना।

◎ उच्च संस्थाओं का पूरी प्रक्रिया में जाँच के दौरान पूर्ण सहयोग करना।

(b) प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के पीछे कारण -

◎ नैतिकता की कमी
↳ इससे वास्तविक प्रतिस्पर्धा नहीं हो पाती

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ यह खेल की भावना को ठेस पहुँचाती है।

↳ खिलाड़ी दीर्घकालिक प्रक्रिया को दवाओं के माध्यम से अल्पकालिक करने का प्रयास

◎ खेलों मे बढ़ती प्रतिस्पर्धा

↳ भारत मे खेलों से संबंधित निम्न अवसंरचना व पर्याप्त सुविधाओं की कमी खेलों मे जीत की संभावना को कम कर देते है

◎ भ्रष्टाचार

↳ खेलों से संबंधित संस्थाओं के विनियमन मे कमी

↳ इस केस स्टडी मे कोच का भी समर्थन है।

◎ खेलों के जीत के बाद मिलने वाली सुविधाएँ

↳ इससे खिलाड़ी अच्छे प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित होते हैं लेकिन धैर्य के अभाव मे दवाओं का प्रयोग होता है।

↳ हारने वाले खिलाड़ियों को पर्याप्त महत्व न मिलना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

डोपिंग को कम किया जाना :-

- खिलाड़ियों को खेल से संबंधित पर्याप्त सुविधाएँ प्रदान की जाए ताकि वे मेहनत से जीत की ओर प्रोत्साहित हो सके।
- हारने वाले खिलाड़ियों को भी महत्व दिया जाना उन्हें भी प्रोत्साहनों के माध्यम से मोटिवेट करना।
- खेलों से संबंधित संस्थाओं में भ्रष्टाचार को दूर किया जाना।
- डोपिंग से संबंधित कानूनों का बेहतर क्रियान्वयन करना।
- डोपिंग के दुष्प्रभावों के प्रति खिलाड़ियों को प्रशिक्षित व जागरूक किया जाना उन्हें बताना कि एक गलत कृत्य से करोड़ों नागरिकों की भावनाएँ क्षतिग्रस्त होती हैं।
- डोपिंग के खिलाफ धारणा (persuasion) किया जाना।
- डोपिंग में शामिल खिलाड़ियों के प्रति अनुशासनात्मक कार्यवाही करना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**12.** You have been newly appointed as the District Magistrate of a district, which is known for its rich mineral deposits. Following the news being circulated in the media about the illegal mining in your district, you have initiated an enquiry into it. When the State's Minister of Mines and Minerals gets to know of the enquiry initiated by you, he directs you to name some junior government employees as being involved in the wrongdoing and make them scapegoats. He also points out that elections to the State Assembly are around the corner and the present government wishes to stay clear of any political corruption. This Minister is a very influential figure in the present regime and there are high chances of the present ruling party being voted back to power. In due course of the enquiry, it has come to your notice that the said Minister has also been involved in illegal mining through his cronies.

The findings of the enquiry can affect the outcome of the elections as well as completely derail your career, if the incumbent party wins the elections, which looks very likely as per the polls.

Answer the following with reference to this case:

**(a)** Identify the stakeholders and the ethical issues in the given case.

**(b)** Critically evaluate the options in the given scenario and state your course of action, giving reasons. **(20)**

आपको एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है, जो अपने समृद्ध खनिज भंडार के लिए जाना जाता है। आपके जिले में अवैध खनन के बारे में मीडिया में खबर प्रसारित होने के बाद, आपने इसकी जांच शुरू कर दी है। जब राज्य के खान और खनिज मंत्री को आपके द्वारा शुरू की गई जांच के बारे में पता चलता है, तो वो आपको कुछ कनिष्ठ सरकारी कर्मचारियों पर गलत काम में शामिल होने का आरोप लगाने और उन्हें बलि का बकरा बनाने का निर्देश देते हैं। वह यह भी बताते हैं कि राज्य विधान सभा के चुनाव नजदीक हैं और वर्तमान सरकार किसी भी राजनीतिक भ्रष्टाचार से दूर रहना चाहती है। वह मंत्री वर्तमान सरकार में एक अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति है और साथ ही, वर्तमान सत्ताधारी दल के सत्ता में वापस आने की बहुत अधिक संभावना है। जांच के क्रम में आपके संज्ञान में आया है कि उक्त मंत्री अपने साथियों के माध्यम से अवैध खनन में शामिल रहा है। यदि सत्ताधारी दल चुनाव जीत जाता है, जिसकी अनुमानों के अनुसार संभावना अधिक है, तो आपकी जांच के निष्कर्ष चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के साथ-साथ आपके करियर को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेंगे।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

**(a)** प्रदत्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

**(b)** दिए गए परिदृश्य में उपलब्ध विकल्पों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए अपनी कार्रवाई का विवरण दीजिए।

उपर्युक्त केस स्टडी अवैध खनन व सार्वजनिक संस्थाओं द्वारा अपने पदों का दुरुपयोग (जैसे -राजनीतिक पार्टियाँ) करने व समाज कल्याण के व्यापक मुद्दे पर आधारित है।

(a) हितधारक

- नागरिक व समाज वृहद स्तर पर
- राजनीतिक दल व उसका प्रभावशाली व्यक्ति
- मीडिया
- जिला मजिस्ट्रेट
- अन्य सरकारी कर्मचारी
- अवैध खनन में शामिल लोग

नैतिक मुद्दे –

① अवैध खनन से समाज पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव

② कानूनों का पालन करना vs. राजनीतिक दबाव

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- आत्महित vs. जनकल्याण का मुद्दा
- राजनीतिक भ्रष्टाचार
- प्रशासनिक तंत्र में पारदर्शिता
- प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा पदों की शक्तियों का दुरूपयोग
- अन्य सरकारी कर्मचारियों जिन्हें बलि का बकरा बनाया जा सकता है, के अधिकारों की रक्षा।
- अन्तरात्मा का संघर्ष
- व्यावसायिक नैतिकता vs. करियर के प्रतिकूल होने की संभावना

आदि।

(b) उपलब्ध विकल्पों का समालोचनात्मक मूल्यांकन –

(i) सरकार के मंत्री के अनुसार जांचप्रक्रिया में आरोप को कनिष्ठ सरकारी कर्मचारियों को मढ़ना

| गुण | दोष |
| --- | --- |

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

| | |
|---|---|
| • अपने करियर को प्रतिकूल होने से बचा सकते है। | • राजनीतिक तटस्थता के विरुद्ध |
| • सत्ताधारी दल के पक्ष में आ सकते है जिससे भविष्य में विभिन्न प्रोत्साहन मिल सकते है। | • कर्तव्यों का पालन न किया जाना |
| | • लोकमूल्यों के विरुद्ध |
| | • अन्य कर्मचारियों पर आरोप लगना उनके अधिकारों का हनन व अपने दायित्वों से भागने की प्रवृत्ति को दर्शाता है |
| | • अवैध खनन से समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। |

→ जाँच में निष्पक्षता बरतते हुए सही जाँच करना।

| गुण | दोष |
|---|---|
| • समाज का कल्याण<br>• प्रशासनिक | • राजनीतिक रूप से करियर प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो सकता है। |

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोकमूल्यों व दायित्वों का निर्वहन
- जनता का प्रशासन में विश्वास बढ़ेगा
- लोकतंत्र मजबूत होगा।

उपर्युक्त कार्रवाई

→ निष्पक्ष रूप से जाँच व कार्रवाई की जाना
→ अवैध खनन से संबंधित कानूनों के अनुपालन में दोषियों को दण्डित किया जाना।
→ राजनीतिक दल को धारणा (persuation) के माध्यम से समझाना कि यदि जनता को पार्टी की इस गतिविधि का पता चलेगा तो इससे उनके वोट बैंक को ही नुकसान पहुँचेगा।
→ केवल अल्पकालिक दबाव बढ़ सकता है किंतु इस समय दृढ़ता का पालन किया जाना चाहिए तथा चूँकि कोई गलत कार्य नहीं किया है तो दीर्घकाल में भी करियर पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।